दलितों व शोषितों का पाक्षिक पत्र
विज्ञापन के लिए केन्द्रीय सरकार व राज्यों द्वारा स्वीकृत

हमायती

सम्पादक–डॉ0 सोहनपाल सुमनाक्षर

❑ *वर्ष 61* ❑ *अंक-6* ❑ *दिल्ली* ❑ *दिसम्बर (द्वितीय) 2022* ❑ *मूल्य : 2 रु.*

38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन

ऐतिहासिक, अपूर्व, शानदार एवं सफल सम्मेलन रहा

भारतीय दलित साहित्य अकादमी का 38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन पंचशील आश्रम, झडौदा गांव (बुराड़ी बाई–पास) निरंकारी समागम ग्राउंड के सामने, आऊटर रिंग रोड, दिल्ली में 11-12 दिसम्बर, 2022 को आयोजित किया गया। इस द्विदिवसीय सम्मेलन में देश–विदेश के सभी भाषाओं के दलितोत्थान में जुटे दलित साहित्यकार, पत्रकार, लेखक, सम्पादक आदि ने भाग लेकर दलितोत्थान सम्बन्धी विषयों पर विचार–विमर्श किया।

सम्मेलन के पहले दिवस के कार्यक्रम को **'सम्मान दिवस'** का नाम दिया गया। इस दिन के कार्यक्रम में दलितोत्थान के क्षेत्र में विशिष्ठ कार्यों के लिए साहित्यकारों, कलाकारों और समाज सेवियों को बाबा साहब डा. अम्बेडकर, महात्मा जोतिबा फुले, वीरांगना सावित्री बाई फुले, माता रमाबाई अम्बेडकर, भगवान बुद्ध के नाम पर स्थापित राष्ट्रीय अवार्डों से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सामाजिक समता के विशेष कार्यों के लिए महर्षि वाल्मीकि, गुरु रविदास, सद्गुरु कबीरदास, गुरु घासीदास आदि के नामों पर स्थापित राष्ट्रीय अवार्ड भी प्रदान किये गये।

दलित साहित्य के माध्यम से दलितोत्थान कार्यों में संलग्न महानुभावों को डा. अम्बेडकर फेलेशिप सम्मान, मा. जोतिबा फुले फेलोशिप सम्मान, वीरांगना सावित्रीबाई फुले सम्मान व भगवान बुद्ध सम्मान से अलंकृत किया गया।

सम्मेलन के अगले दिन 12 दिसम्बर, 2022 के दिन के कार्यक्रम को **'अधिकार दिवस'** का नाम दिया गया। इस दिन दलितों की समस्याओं– भेदभाव, उत्पीड़न, अन्याय, अत्याचार, अपमान, असमानता आदि पर खुलकर विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा दलितों के संवैधानिक मौलिक अधिकार, शासन–प्रशासन व सत्ता व सम्पदा में बराबर की हिस्सेदारी प्राप्ति के लिए विचार–विमर्श किया गया। सम्मेलन के समापन पर पारित प्रस्तावों पर विचार करने के बाद इन प्रस्तावों को सम्बन्धित विभागों व सरकारों को उचित कार्रवाई करने के लिए भेजे जाने का निर्णय लिया।

इस 38वें सम्मेलन में नेपाल दलित साहित्य अकादमी के महामंत्री युवराज विश्वकर्मा तथा नेपाल की रायल परिषद् के सदस्य मा. उत्तम कुमार परियार के नेतृत्व में 25 लोगों के शिष्टमंडल ने भाग लेकर सम्मेलन की शोभा बढ़ाई। अकादमी की ग्रेट ब्रिटेन (यू.के.) की शाखा के अध्यक्ष श्री ओ.पी. आजाद और खुशी टी.वी. इटली की विशेष प्रतिनिधि राजलता ने भाग लेकर सम्मेलन को सफल बनाया।

भारत सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री डा. सत्य नारायण जटिया ने भारतीय दलित साहित्य अकादमी के इस 38वें राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन का भगवान बुद्ध व बाबा साहब डा. अम्बेडकर जी के मूर्तियों पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित करके विधिवत उद्घाटन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व केन्द्रीय मंत्री मा० संघप्रिय गौतम ने की। भारत सरकार के रेलवे बोर्ड की पी.एस.सी. कमेटी के अध्यक्ष एड्वोकेट रमेश चन्द्र रत्न सम्मेलन में प्रमुख विशेष अतिथि थे।

इस ऐतिहासिक, अद्वितीय, शानदार राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी उपस्थिति से सम्मेलन को सफल बनाया उनमें प्रमुख हैं–महाराष्ट्र सरकार के पूर्व समाज कल्याण मंत्री मा. बबनराव घोलप, हरियाणा सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा. एम.एल. रंगा, सांसद (राज्यसभा) श्री निरंजन बसी, दिल्ली युनिवर्सिटी के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) श्यौराज सिंह बैचेन, लखनऊ युनिवर्सिटी के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) कालीचरण 'स्नेही', एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रो. (डा.) पीताम्बर दास, गुरू घासीदास शोध पीठ, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डा. जे.आर. सोनी, अकादमी के नेशनल को–ओरडिनेटर मा. सुभाष कानाडे, अकादमी की साउथ इंडिया स्टेट्स कमेटी के संगठन मंत्री डा. जितेन्द्र 'मनु', अकादमी की नार्थ–ईस्ट इंडिया स्टेट्स कमेटी के अध्यक्ष श्री ब्रिजलाल रविदास, नेपाल राज्य परिषद् के सदस्य मा. उत्तम कुमार परियार आदि। अकादमी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. जय सुमनाक्षर ने पुष्पगुच्छा प्रदान कर इन सबका स्वागत किया। बुद्ध वन्दना व भीम वन्दना करने के बाद सम्मेलन का विधिवत प्रारम्भ हुआ।

सम्मेलन का शुभारम्भ भारतीय दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सम्पादकीय

38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन : भव्यता, दिव्यता और सफलता के साथ सम्पन्न

भारतीय दलित साहित्य अकादमी का 11-12 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित द्विदिवसीय 38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में देश–विदेश से दलित–साहित्यकार, दलित पत्रकार, दलित कलाकार, दलित साहित्यकार व समाजसेवियों ने सहभागिता करके सम्मेलन की शोभा बढ़ाई।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे देश–विदेश के प्रतिनिधियों का भारतीय दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने देश की राजधानी दिल्ली में जोरदार स्वागत करते हुए उनके सम्मेलन में लाखों बाधाओं की परवाह न करके सम्मेलन में पधारने पर सराहना की और अकादमी के प्रति उनकी निष्ठा, लगन और प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अपना स्वागत भाषण प्रारम्भ करते हुए अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने कहा कि गुरू गोविन्द सिंह जी ने राजसत्ता के विषय में कहा है–

कोई किसी को राज ना देहि।
जो ले वे वो निज बल से लेई।।

हमारा निजी बल क्या है? आप सब हमारी ताकत हैं–अकादमी की ताकत हैं, और इस ताकत रूपी निजी बल के आधार पर हम अपनी खोई हुई सत्ता, सम्पदा व अपने गौरवमयी इतिहास को दुबारा पा सकते हैं। यह सब अकादमी ने अपने गत 38 राष्ट्रीय सम्मेलन से दर्शाया है जहां एक ही मंच पर सभी दलों के नेता आकर उद्‌बोधन करते हैं और वहीं इन सम्मेलनों में लाखों प्रतिनिधि अपने प्रदेश, वर्ण, जाति की पहचान छोड़कर इकट्‌ठे होते हैं और अपनी सामाजिक विषमताओं को मिटाने का संकल्प लेते हैं। यही आपका बल है जिस बल के आधार पर अब कोई तुम्हें छल नहीं सकेगा, दबा नहीं सकेगा और न ही अब कोई दमन व शोषण कर सकेगा।

आप सदैव भारतीय दलित साहित्य अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाने में अग्रसर रहे हैं। आज भी उसी अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाने और अपने महापुरुषों के अधूरे स्वप्न को साकार करने के लिए जो आप अदम्य साहस के साथ इस सम्मेलन में पधारे हैं, उसके लिए हम आपके आभारी हैं। आपकी इस कर्मठता का स्वागत है।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी पिछले 37 सालों में देश और विदेश में दलित साहित्य के माध्यम से भगवान बुद्ध, गुरु रविदास, महात्मा जोतीबा फुले, स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर, बाबा साहब डा. अम्बेडकर, बाबू जगजीवन के सामाजिक समता के सन्देश को फैलाने में सफल हुई है और वह अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए निरन्तर आगे बढ़ रही है।

भगवान बुद्ध ने 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' एवं 'अत्तो दीपो भवं' का सन्देश दिया था। वहीं संतशिरोमणि गुरु रविदास ने समता का सन्देश देते हुए कहा था–''ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिले सबन को अन्न। छोटे बड़े सब सम बसैं, रविदास रहे प्रसन्न।'' महात्मा जोतिबा फुले ने सामाजिक विषमता, का मुख्य कारण अविद्या को बताते हुए कहा–'विद्या बिना गति गई। गति बिना नीति गई। नीति बिन मति गई, बिना मति के वित्त गया। बिन विद्या के सर्वनाश हुआ। हम दूसरों के गुलाम बने।'

बाबा साहब डा. अम्बेडकर ने सामाजिक विषमता और वर्ण व्यवस्था से छुटकारा पाने के लिए दलितों का आह्‌वान किया था– ''शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो।'' उन्होंने दलितों को उनके समता के अधिकारों से अवगत कराते हुए उन अधिकारों को पाने के लिए संघर्ष का मार्ग प्रशस्त किया था। बाबू जगजीवन राम जी ने भी अपने राजनीतिक सामाजिक जीवन में समता का सन्देश देते हुए आजीवन इसके लिए कार्य किया।

भगवान बुद्ध के 'बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय' तथा 'अत्तो दीपो भव'

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भारतीय दलित साहित्य अकादमी प्रकाशन

विश्व धरातल पर दलित साहित्य	डॉ. सुमनाक्षर	50/–
अंधा समाज और बहरे लोग	डॉ. सुमनाक्षर	60/–
सिन्धु घाटी बोल उठी	डॉ. सुमनाक्षर	50/–
अब नहीं रहेंगे हाशिये पर	डॉ. सुमनाक्षर	80/–
अम्बेडकर शतक	डॉ. सुमनाक्षर	50/–
विश्व विभूति डा. अम्बेडकर	डॉ. सुमनाक्षर	50/–
दलित लेखक परिचय ग्रंथ (अंग्रेजी)	डॉ. सुमनाक्षर	250/–
बुद्धा दू अम्बेडकर (अंग्रेजी)	डॉ. सुमनाक्षर	150/–
दलित साहित्य	डॉ. सुमनाक्षर	100/–
अम्बेडकर दर्शन	डॉ. सुमनाक्षर	40/–
हमारे संत और समाज सुधारक	डॉ. सुमनाक्षर	60/–
धर्म और समाज	डॉ. सुमनाक्षर	40/–
आदिम जाति चमार (इतिहास, धर्म, संस्कृति)	डॉ. सुमनाक्षर	300/–
दलित उद्‌घोष	डा. सुमनाक्षर	80/–
दलित साहित्य की हुंकार-सात समन्दर पार	डॉ. सुमनाक्षर	100/–
युगपुरुष बाबू जगजीवनराम	डॉ. सुमनाक्षर	200/–
प्राचीन आदिम जाति वाल्मीकि (इतिहास, धर्म, संस्कृति)	डॉ. सुमनाक्षर	100/–
सभ्यता, संस्कृति, समाज और साहित्य	आचार्य गुरुप्रसाद	100/–
डा. अम्बेडकर भजनावली	राजमल 'राज'	25/–
भारत रत्न डा. बी.आर. अम्बेडकर	राजमल 'राज'	25/–
मूल भारती से दलित	राजमल 'राज'	50/–
अम्बेडकरवाद बनाम सामाजिक परिवर्तन	राजमल 'राज'	80/–
दलित साहित्य–दशा और दिशा	डा. माता प्रसाद	200/–
दलित साहित्य से सामाजिक परिवर्तन	डा. माता प्रसाद	100/–
भारत की गुलामी के 22 सौ साल	प्रदीप कुमार मौर्य	250/–
सृजन के कण	जीपी पचौरिया 'दीप'	150/–
बौद्ध धर्म–गया से अयोध्या तक	प्रदीप कुमार मौर्य	120/–
गांधी, अम्बेडकर और दलित	प्रदीप कुमार मौर्य	100/–
हम एक हैं	डा. माता प्रसाद	60/–
रैदास से संत शिरोमणि गुरु रविदास	डा. माता प्रसाद	50/–
ताकि सनद रहे	डा. सुमनाक्षर	100/–
Who's who Dalit Writers in India	Dr. Sumanakshar	500/-
Who's Who–International & National Awardees of B.D.S.A.	Dr. Sumanakshar	500/-

पुस्तक मंगाने के लिए मनीआर्डर से राशि अग्रिम भेजें, व्यवस्थापक

दलित साहित्य सेन्टर
(भारतीय दलित साहित्य अकादमी)
बी-3/9, दूसरी मंजिल, माडल टाउन-1, दिल्ली-9
फोन : 27421449, मो. 9810278936, 9891989175

सम्पादकीय का शेष ...38वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन : भव्यता, दिव्यता और सफलता के साथ सम्पन्न

के उद्‌बोधन को अपना आदर्श व आप्त वाक्य मानकर भारतीय दलित साहित्य अकादमी 1984 से देश में जन चेतना का कार्यक्रम लेकर आगे बढ़ रही है। गत 37 वर्षों में अकादमी का 'नेटवर्क' भारत के सभी राज्यों की सीमा लांघकर विदेशों तक फैल चुका है।

दक्षिण भारत के 7 राज्यों और पूर्वोत्तर भारत के 8 राज्यों में अकादमी की शाखाओं ने दलितों को एकजुट करके एक सशक्त कड़ी बनाई है जिससे दलित अपने अधिकारों के प्रति सजग तो हुए ही हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए भी संघर्षरत हैं।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी ने गत 37 वर्षों में दलित साहित्य के माध्यम से देश में एक नई वैचारिक क्रान्ति पैदा की है। दलित एक दूसरे को जानने लगे हैं और अकादमी के मंच पर आकर एक–दूसरे की समस्या को पहचानने भी लगे हैं और उन समस्याओं के निवारण के लिए विचार–विमर्श करके उनका हल ढूंढ़ने लगे हैं। अकादमी ने 'दलित साहित्य' को जन्म दिया, कॉलेज– विश्वविद्यालयों में स्थापित किया, दलित लेखकों को प्रोत्साहित किया और दलित साहित्यकार के रूप में उन्हें सम्मानित करके समाज में यथोचित सम्मान देकर मार्गदर्शन किया।

आज विश्वविद्यालय व कॉलेज के पुस्तकालय दलित साहित्य से भरे पड़े हैं, दलित साहित्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाया जा रहा है, उस पर शोध करवाकर पीएच.डी., डी.लिट्, एम.फिल की उपाधियों से शोधार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। प्रकाशक दलित साहित्य प्रकाशन के लिए दलित लेखक व साहित्यकारों को यथोचित मानदेय देकर दलित साहित्य लिखवा रहे हैं, देश में आज दलित साहित्य की तीव्र मांग है। यह सब भारतीय दलित साहित्य अकादमी के 37 सालों का प्रयास का फल है।

आज बुद्ध के सामने मनु को नकार दिया गया है। संत गुरु रविदास व सद्‌गुरु कबीर के सामने ब्राह्मणवाद नतमस्तक है। महात्मा जोतिबा फुले, स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर' के सामने मनुस्मृति की विषमता भरी वर्ण व्यवस्था चूर–चूर हुई नजर आ रही है। भारतरत्न बाबा साहब डा. अम्बेडकर तथा बाबू जगजीवन राम के समता का सन्देश ने सदियों से सोये हुए दलितों को झकझोर कर जगाकर खड़ा कर दिया है। वीरांगना झलकारीबाई और वीरांगना सावित्रीबाई फुले के पराक्रम, साहस व वीरता के सामने उच्च वर्णीय महिलायें पानी भरती नजर आती हैं। यह सब अकादमी की खोज का परिणाम है। इसके पीछे भारतीय दलित साहित्य अकादमी का गत 37 सालों का परिश्रम, लगन, निष्ठा है जो अकादमी ने सदियों से मूक, अछूत, दलित, शोषित लोगों को मंच दिया, जुबान दी, विचार दिए, दिशा दी, कलम दी, लेखन के लिए प्रेरित किया, मान–सम्मान दिया और देश–विदेश में प्रख्यात किया। यह अकादमी का साकार परिणाम है। भारतीय दलित साहित्य अकादमी ने ही 5 हजार साल पुरानी सिंधु घाटी की सभ्यता की खोज कर वहां स्थित भव्य, आलीशान सर्वोत्तम भवन कला के नमूने मोहन जोदड़ो, हड़प्पा, लोथल, धोलवीरा, पीली बंगा, काली बंगा शहरों की संस्कृति को उजागर किया। दलित साहित्य, दलित कला, दलित संस्कृति, दलित वीर–वीरांगना, दलित संत, महात्मा, महापुरुष का जो मान–सम्मान आज आर्य संस्कृति के लोग कर रहे हैं, वे भी यह मानने लगे हैं कि दलित (द्रविड़) ही इस देश के मूल निवासी थे जिन्हें धोखे और षड्‌यंत्रपूर्वक सिन्धु घाटी से दक्षिण भारत की ओर धकेल दिया गया। आर्यों के इस छल, कपट को दलित साहित्य ने ही उजागर कर द्रविड़ व उनकी भाषा तमिल, तेलगू, मलयालम व कन्नड़ को यथोचित सम्मान दिया।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी को देश–विदेश में आगे बढ़ाने में दलित समाज के महापुरुषों का सदेव योगदान रहा है। ऐसे महापुरुषों में भू. पू. राज्यपाल डा. माताप्रसाद, डा. सूरजभान, बाबू परमानन्द, डा.ए. पद्‌मानाभन, चौ. चांदराम का सदैव आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता रहा। इसके अलावा अन्य सैकड़ों ऐसे दलित साहित्यकार दलित कलाकार, दलित समाजसेवी हैं जिन्होंने दलित साहित्य आन्दोलन को आगे बढ़ाने में अपना धन–मन–धन से योगदान दिया। आचार्य गुरुप्रसाद, श्री किशोर भाई, श्री प्रेमचन्द आर्य, डा. अवन्तिका मरमट डा. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी, डा. नवल वियोगी, डा. महावीर दास, श्री ए.एल. मजूमदार, श्री बी.बी. सिंह लोहार, श्री ताराचन्द पिपल, प्रो. रमेश कुमार डीगवाल, श्रीमती गीता रूचाल, श्रीमती त्रिलोचन सुमनाक्षर आदि ऐसे हस्तियां हैं जिन्होंने अपनी अन्तिम सांस तक अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाया। श्री टी.आर. विश्वकर्मा (नेपाल) और चौ. दुलीचन्द, स्वतंत्रता सेनानी, दोनों ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अकादमी के सम्मेलन में सहभागिता करते हुए हमसे विदा ली। इनके अलावा भी पर्दे के पीछे अन्य और लोग भी कार्यरत रहे है जिनके अथक परिश्रम के कारण अकादमी द्वारा प्रतिपादित दलित साहित्य वैश्विक साहित्य बना।

गत 3 वर्ष से 6 अक्तूबर को अकादमी की सभी प्रदेश व जिला शाखा 'दलित साहित्य दिवस' का आयोजन करती आ रही है। यह दलित साहित्य में एक नई परम्परा शुरू हुई है। मैं भारतीय दलित साहित्य अकादमी की ओर से उन सबका स्मरण करते हुए उनके योगदान, आशीर्वाद, मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों, अभी हमें और आगे जाना है। हमें सामाजिक विषमताओं को खत्म कर के समता के मानवीय अधिकारों को हासिल करना है। हम रहें, न रहें, अकादमी का समता का कारवां आपके सहयोग से निरन्तर आगे बढ़ता रहेगा। ऐसी आशा करता हूं कि इस साहित्यिक महायज्ञ में आपकी आहुति निरन्तर मिलती रहेगी।

साथियो, हम तो निकले थे
यूं ही निशाने मंजिल,
लोग जुड़ते गये, कारवां बनता गया।

अकादमी का यह कारवां अकादमी की सक्रियता, लगन व निष्ठा का प्रतिफल है और इस श्रेय के आप भी बराबर के भागीदार हैं। निष्ठा, लगन और सक्रियता से आप यूं ही आगे बढ़ते रहें, इसी आशा के साथ–जय भीम, जय भारत, जय अकादमी।

– डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
भा.द.सा. अकादमी

पृष्ठ 1 का शेष....ऐतिहासिक, अपूर्व, शानदार एवं सफल सम्मेलन रहा

स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सम्मेलन में पधारे देश–विदेश के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय सहभागिता से ही आज दलित साहित्य वैश्विक बन गया है।

उनके स्वागत भाषण के पश्चात् मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया ने देश–विदेश से सम्मेलन में पधारे प्रतिनिधियों को अपने उद्‌बोधन से भाव विभोर कर भविष्य में और दृढ़ता व द्रुत गति से अपना कार्य करने का आग्रह किया। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे पूर्व केन्द्रीय संघप्रिय गौतम ने बाबा साहब डा. अम्बेडकर और भगवान बुद्ध के समता, बन्धुता, करुणा और स्वतंत्रता के सन्देश को आगे बढ़ाने का आह्‌वान किया।

सम्मेलन के शुभावसर पर विभिन्न अवार्डों से सम्मानित किये जाने वाले महानुभाव हैं :–

डा. अम्बेडकर इन्टरनेशनल अवार्ड–2022

श्री निरस राय
प्रेजीडेंट एंड डायरेक्टर
साऊथ एशिया मिशन एलाइन्स (सामा)
कुसून्ती, ललितपुर (नेपाल)

डा. अम्बेडकर नेशनल अवार्ड–2022

दलित साहित्य की अभिवृद्धि के लिए

1. प्रो. (डा.) रजत रानी 'मीनू'
सहायक प्रोफेसर,
कमला नेहरू कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

2. डा. राजू राम
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
विनोबा भावे युनिवर्सिटी,
हजारीबाग, झारखंड

दलित पत्रकारिता अभिवृद्धि के लिए

3. डा. रूपचन्द गौतम
दलित एवं आदिवासी पत्रकारिता एवं लेखन, दिल्ली

धम्म अभिवृद्धि के लिए

4. भिक्खु चन्दिमा
संस्थापक–धम्म शिक्षण केन्द्र,
सारनाथ (उ.प्र.)

समग्र शिक्षा अभिवृद्धि के लिए

5. डा. केशरी लाल वर्मा, उप–कुलपति
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छत्तीसगढ़)

दलितोत्थान – समाज सेवा के लिए

6. जुपुडी प्रभाकर राव,
पूर्व एम.एल.सी.
एडवाईजर – सोशिल जस्टिश,
आन्ध्र प्रदेश सरकार

7. श्री ए.एल. चन्द्रसेकरन,
एडवोकेट
लीगल एडवाइजर एवं सेक्रेट्री,
बी.डी.एस.ए., कुड्‌डालोर
(तमिलनाडु)

8. श्री जयभगवान जाटव,
समाजसेवक
अध्यक्ष–शोषित समाज परिषद्
(दिल्ली)

9. श्री रामवृक्ष चक्कपुरी, एडवोकेट,
समाजसेवक
मुजफ्फरपुर (बिहार)

10. डा. हंसराज 'सुमन'
सहायक प्रोफेसर,
अरविन्दो कालेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय
अध्यक्ष : आल इंडिया यूनिवर्सिटीज एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. टीचर्स एसोसियेशन

डॉ. अम्बेडकर विशिष्ट सेवा नेशनल अवार्ड 2022

1. डा. एन. सन्तोबा सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर
मणिपुर युनिवर्सिटी,
इम्फाल वेस्ट (मणिपुर)

2. डा. के. बिमोला देवी
असिस्टेंट प्रोफेसर
सी.एल. कालेज, बिष्णुपुर
इम्फाल वेस्ट (मणिपुर)

3. श्रीमती शशिकला कुमारी
समाज सेविका
मजूराह, मोतिहारी, ईस्ट चम्पारण (बिहार)

4. डा. रोशन कुमार सिंह
सोशिल वर्कर
हथोरी, दरभंगा (बिहार)

5. प्रो. महेन्द्र मोहन वर्मा
डिपार्टमेंट आफ सोशिल वर्क
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी (उ.प्र)

6. श्री मोतीलाल 'निर्मल'
सोशिल वर्कर
प्रकाश नगर, उज्जैन (म.प्र.)

7. श्री दीपोन चन्द्र राय
सोशिल वर्कर
भैरबपुर, कच्छार (आसाम)

8. श्री चन्द्रिका राम
समाज सेवक
कथैया, मझौलिया, प. चम्पारण (बिहार)

9. श्री वुंग खायई खामुई
किंग–तन्रूल विलेज, उखरूल, मणिपुर

10. डा. थोकचोम सुनील डेबा सिंह
एजूकेशनिष्ट–टीचर
खुदाई चैथाबी लईरक,
इम्फाल सिंह (मणिपुर)

11. श्री पर्वाथम अशोक
सोशिल एक्टीविस्ट
रामागीरी, नालगोंडा (तेलंगाना)

12. श्री निखिल एच.एस.
हुल्थार हूसाडोडी, बिडाडी
रामनगरम (कर्नाटक)

13. श्री सुन्नी वी.एम.
वेट्‌टाम्कुझिखील
किझूर, कोट्‌टायम
(केरल)

14. श्री हेमन्त कुमार, एडवोकेट
जी.एम. हाली, मेटीकुप्पे
मैसूर (कर्नाटक)

15. श्री प्रेमचन्द्र विष्णु मनूरे
23, 'अनुप्रेम' मारोजी पार्क
शिव कालोनी, जलगांव
(महाराष्ट्र)

16. डा. विक्रम चन्द शाह
प्रो. एंड डीन
डिपार्टमेंट आफ बीएड्
श्रीदेव सुमन उत्तराखंड यूनिवर्सिटी
गोपेश्वर, चमोली (उत्तराखंड)

17. श्री के.आर. प्रभाकर
सामाजिक कार्यकर्त्ता
सिद्धार्थ नगर, मैसूर (कर्नाटक)

18. डा. हरपाल सिंह, साहित्यकार
धीलवान कलां, कोटकपूरा
जिला–फरीदकोट (पंजाब)

19. श्री चयन्नूर विजयनाथ
सोशल वर्कर
चेथान्नूर, कोल्लम (केरल)

20. श्री सन्था पी.पी.
सोशिल वर्कर
एरूनाप्पारा, वेनगूर, एर्नाकुलम (केरल)

21. श्री लोरेक्षम रमेशोर सिंह
सामाजिक कार्यकर्त्ता
प्रधान–माईरंग काम्पू ग्राम पंचायत
इम्फाल ईस्ट डिस्ट्रिक्ट, मणिपुर

22. श्री राजीव पी.,
सोशिल एक्टीविस्ट
पलककड़ डिस्ट्रिक्ट (केरल)

23. श्री बी.एस. समाईल्स
सोशिल वर्कर
टडेपल्ली गुडेम, वेस्ट गोदावरी
(आन्ध्र प्रदेश)

24. प्रो. वी.के. लेक्षमनन नाईट,
सोशिल वर्कर
इरिनजलकुडा, थ्रिसूर (केरल)

25. श्री अनिल पी. पल्लीप्पड,
सोशिल वर्कर
हरीपड, एलप्यूजहा (केरल)

26. श्री प्यारेलाल एस.,
सोशिल वर्कर
पोथनकोडू, त्रिवेन्द्रम (केरल)

27. श्री यूम नाम रोमेन सिंह
सोशिल वर्कर
लामजाओ मायई लेइकई,
ककचींग (मणिपुर)

28. श्री राम बहादुर कुरूम्बंग
ज्वाईट सेकेट्री एंड हेड–सियाय
कंचनपुर, नेपाल सरकार

29. श्री धहैर्या भुटोरिया
एल.आर. सरणी,
कोलकाता (पं. बंगाल)

डॉ. अम्बेडकर एक्सीलेन्सी सर्विस नेशनल अवार्ड 2022

1. श्री गर्गेस्वर दास
समाज सेवक
हथखोला, खलीहागुड़ी,
टीहू, नलवाड़ी (आसाम)

2. श्री बासवराज शिवकेरी
सोशिल वर्कर
कलबुरगी (कर्नाटक)

3. डा. राजेश वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
डी.के. कालेज, डुमराओं
बक्सर (बिहार)

4. श्री हिम ज्योति मेधी
समाजसेवक
भरालू, मुख, कामरूप
गुवाहाटी (आसाम)

5. श्री अशूली अंगा
सोशिल वर्कर
डेली विलेज सेक्रट्री
कांग पोकपी, मणिपुर

6. श्री वी. बालासुब्रमनीयन
सोशिल वर्कर
किलसेरूवी, थिट्टाकुडी
कुड्डालोर (तमिलनाडु)

7. श्री एन.एम. रवि
सोशिल वर्कर
निकथूथारा, एय्यामपिल्ली,
एर्नाकुलम (केरल)

8. श्री कुमुद नाथ, समाज सेवक
अभोयपुर, नार्थ गुवाहाटी
(आसाम)

9. श्री आशुतोष पी. मेषराम
साईंटीफिक आफिसर
न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन
आफ इन्डिया, तारापुर (महाराष्ट्र)

10. डा. एम. शिव कुमार
प्रोफेसर एंड हेड
ए. गिरी इन्सटीच्युट आफ मेडिकल
साइंसेज, मांडया (कर्नाटक)

11. श्रीमती के.एस. जयश्री
सीनियर नर्सिंग आफिसर
नेताजी नगर, ऐलनाहल्ली
मैसूर (कर्नाटक)

12. डा. वांग जीबनकुमार सिंह
एजूकेशननिस्ट
वांग खेई–खुनोऊ
इम्फाल ईस्ट (मणिपुर)

13. डा. बाशुदेव थोकचोम
सोशिल एक्टिवीस्ट
थोमचोम लैकाई, थाबोल (मणिपुर)

14. श्री इसमाई मंजाली
मंजाली मन्नम, एर्नाकुलम
(केरला)

15. श्री कल्यान कुमार गोस्वामी
समाज सेवक
देवनन्दा, हजारिकापाड़ा
दर्रंग (आसाम)

16. डा. अम्बिका मारींग होंगशा
सोशिल वर्कर
इम्फाल ईस्ट (मणिपुर)

17. श्री आईरूंगबाम यैस्कुल सिंह
सोशिल वर्कर
इम्फाल ईस्ट (मणिपुर)

18. डा. शीनवासन
तमिल विभाग, वेंकटेश्वरा कॉलज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

19. श्री खारगेशवर मिली
विसवानाथ (आसाम)

20. श्री हिमांगशु आचार्जी
रंगीरखाड़ी, सिल्चर, कच्छार
(आसाम)

21. श्रीमती अरोती कुमारी देवी
बमुन गांव, जोरहाट
(आसाम)

22. श्री बाबूलाल परमार
सोशिल वर्कर
महिदुपुर सीटी, उज्जैन
(मध्य प्रदेश)

23. श्रीमती स्वास्थनी एले (परियार)
ललितपुर, मेट्रोपोलिशन,
नेपाल

24. डा. रेणु, डिप्टी सेक्रेट्री
श्रम भवन, पंचकूला (हरियाणा)

25. श्रीकरूर सोमन
सोशिल वर्कर
मवेलिककारा, एल्प्पूज्हा (केरल)

26. श्री गणेशन. के
सेक्रेट्री–आई.एफ.एस.ई.,
ईरनेल्लूर, थ्रिसूर (केरल)

27. श्री अनिल कुमार एम.पी.
सोशिल वर्कर
चेरिथला, एलप्पुज्हा (केरल)

28. श्री हरी प्रसाद एम.बी.
सोशिल वर्कर
मान्डया (कर्नाटक)

29. डा. जे.बी. राजू,
आई.आई.एस. (रिटायर्ड)
राष्ट्रीय अध्यक्ष–राष्ट्रीय दलित
सेना, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

30. डा. महेश्वर थाओनाजम
सोशिल एक्टीविस्ट
नेशनल सेक्रट्री –
आर.पी.आई (अठावले)
इम्फाल वेस्ट (मणिपुर)

31. श्री गणेश कुमार गोटमे
दलित लीडर एवं सोशल वर्कर
बयास म्नुसिपॉलिटी–2, नेपाल

32. श्री नरेश बाबू श्रेष्ठ
एफ.पी. आफिसर, हेल्थ आफिस,
बांके (नेपाल)

डॉ. अम्बेडकर सेवाश्री नेशनल अवार्ड 2022

1. श्रीमती मंजुरानी सूत दत्ता
सोशिल वर्कर
हाटी गांव, कामरूप (एम)
(आसाम)

2. श्री सोनू रजक
सोशिल वर्कर
अम्बेर श्रीशाट, बिहार शरीफ
नालन्दा (बिहार)

3. डा. नीरूपमा सिन्हा
समाज सेविका
शेखपुरा, बादरबाली
नालन्दा (बिहार)

4. श्री निहार रंजन दास
सोशिल वर्कर
सिल्चर, कच्छार
(आसाम)

5. श्रीमती उषा रानी गायन
सोशिल वर्कर
गायन गांव, मजूली (आसाम)

6. श्रीमती रन्जू मोनी दास
सोशिल वर्कर
बेगेंड अली गांव, कमलाबाड़ी
मजूली (आसाम)

7. श्री नीतेश आर्य
एडीशनल पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट
जोधपुर (राजस्थान)

8. **डा. राठोड महेश कुमार धंजीभाई**
समाजसेवक
चपरिया, हिम्मत नगर,
बनासकांठा (गुजरात)
9. **श्री वेंकटेश वी.,** *सोशिल वर्कर*
रामनगरा टाऊन (कर्नाटक)
10. **श्रीमती हिरन्या दत्ता**
सोशिल वर्कर
लाहोबाल, डिब्रूगढ़ (आसाम)
11. **कुमारी शोभा एम.**
सोशिल वर्कर
अंजन नगरा, मततन कुरेची
बंगलौर रूरल (कर्नाटक)
12. **श्री नागेन चन्द्र मालाकार**
सोशिल वर्कर
ग्राम–बिशनूपुर, हजोई,
जिला–कामरूप (आसाम)
13. **श्रीमती मानसी सिन्हा**
प्रिन्सिपल–नोर्मल स्कूल, सिल्चर
कच्छार (आसाम)
14. **श्री सुदामा रविदास**
सामाजिक कार्यकर्त्ता
ग्राम–नूतन रामनगर, सोनई
कच्छार (आसाम)
15. **श्री राजरिशी दास, योगा टीचर**
अम्बिका पट्टी, सिल्चर,
जिला–कच्छार (आसाम)
16. **श्री मकवाना डाहिया भाई वीराभाई**
सोशिल वर्कर
जिला–आनन्द (गुजरात)
17. **श्री परमेश्वर सूत्रधार**
सामाजिक कार्यकर्त्ता
बोगई गांव (आसाम)
18. **श्री लेईराम राजेन सिंह**
सोशिल वर्कर
प्रधान–खुरई कोन्साम लेईकई,
इम्फाल ईस्ट (मणिपुर)
19. **श्रीमती निर्माया राय**
सोशिल वर्कर
झापा, नेपाल
20. **श्रीमती चान्दनी राय**
सोशिल एक्टीविस्ट
काठमांडु (नेपाल)
21. **श्री एम. वेट्रीकोन्डन**
सोशिल वर्कर
शिवराज पेट्टाई, तिरूपथूर
(तमिलनाडु)
22. **श्री आनन्द कुमार,** *सोशिल वर्कर*
चिन्चोली, जिला–कलबुर्गी
(कर्नाटक)
23. **डा. गुणामनी सुनानी**
ओ.ए.एस (एस.बी.)
तहसीलदार–बंगोमुंडा
जिला–बालनगीर (उड़ीसा)
24. **डा. हेमंत परमार, डायरेक्टर**
डा. अम्बेडकर मिशन होस्पिटल
एंड रिचर्स सेंटर, उज्जैन (म.प्र.)
25. **डा. इरशद अली शेख**
एक्टिंग कन्ट्री डायरेक्टर
कतर चेरिटी, नेपाल आफिस,
काठमांडु (नेपाल)
26. **श्रीमती पल्लवी, नियोग बोरा**
लखीमपुर (आसाम)
27. **श्री पुलोक चटर्जी**
देशबन्धु नगर, नाथ 24 परगना,
कोलकाता (प. बंगाल)
28. **श्री जगदीशा**
कन्डेशला गांव, मल्लावली तालुक
पांड्या (कर्नाटक)
29. **श्री के.वी. नागराजू**
किटश्रीगनूर, के.आर. पुरम
बंगलौर (कर्नाटक)

डॉ. अम्बेडकर साहित्यश्री नेशनल अवार्ड 2022

1. **प्रो. निरंजन सहाय**
अध्यक्ष –हिन्दी व आधुनिक भारतीय
भाषा विभाग,
महात्मा गांधी काशी
विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)
2. **श्री प्रदीप कुमार गोगोई**
साहित्यकार
श्रीभन्तापुर, भंगागढ़
कामरूप (मट्रो) आसाम
3. **श्रीमती रन्नू देवी सरमा,** *साहित्यकार*
बाघरबाड़ी चन्डीका नगर
मजूली (आसाम)
4. **श्रीमती तृष्णा हजारिकापटगीरी**
लेखिका
डिओहटी, अभयपुरी
बोंगई गांव (आसाम)
5. **श्रीमती मीलोजा बासुमतरी**
लेखिका
फुलोनी गांव, करबी
अंगलोंग (आसाम)
6. **श्रीमती लाखी बोरगोहेन,** *लेखिका*
बोरपालरिया टाऊन,
धेमजी (आसाम)
7. **मिस बीना हन्डीकुयी,** *लेखिका*
मयूर नगर, धेमजी (आसाम)
8. **श्री धर्मेन्द्र कुमार रविकुल**
साहित्यकार
भाभा नगर, रावतभाटा (कोटा)
(राजस्थान)
9. **श्रीमती सुत्रीया वनीताबेन एस.**
लेखिका
अम्बलीयासन, मेहसाणा (गुजरात)
10. **श्री सी.जी. मधुकबुन्कल**
राईटर
मन्नानचेरी, एलप्पुझाह (केरला)
11. **डा. श्यानी मीरा,** *राईटर*
करथिकाप्पल्ली, एलप्पुझाह
(केरला)
12. **प्रो. (डा.) नन्दकिशोर ढौंडियाल 'अरूण'**
वरिष्ठ साहित्यकार
ध्रुवापुर, कोटद्वार (उ त्तराखंड)
13. **श्री कृपा मोहन चकमा**
साहित्यकार
चैलेंगटा, धलाई (त्रिपुरा)
14. **श्री चेमबोली श्रीनिवासन, लेखक**
थलकुलाथूर, कोज्हीक्कोडु (केरल)
15. **श्रीमती सिथरा शनीर, लेखिका**
ईडमनाट्टुकारा, पलक्कड (केरल)
16. **डा. वाई. महेन्द्र कुमार सिंह**
साहित्यकार
वांगजिंग, थौबल (मणिपुर)
17. **श्रीमती तारााराय, लेखिका**
धरान, सुन्सरी (नेपाल)
18. **श्री टी.के. गंगाधरन** *एम.पी.,*
राईटर
कोडुंगल्लू, थ्रिसूर (केरल)
19. **श्री सेल्वराज कन्नेट्टील, राईटर**
थिरूवल्लोम, त्रिवेन्ड्रम (केरल)
20. **श्रीमती ईरूमेली अम्बुजम, राईटर**
थलयाज्हम, वेल्कोम, कोट्टायम
(केरल)
21. **श्री सुक्लेस्वर नाथ, साहित्यकार**
डिग्बोई रिफानरी टाऊनशिप
तिनसुकिया (आसाम)

डॉ. अम्बेडकर कलाश्री नेशनल अवार्ड 2022

1. **डा. बिनीता देवी,** *कलाकार*
गोअलपाड़ा टाऊन,
बलाडमारी चार (आसाम)
2. **श्री आजाद सिंह यादव**
लोक कलाकार
कठुआ पहाड़ी, निवाड़ी (म.प्र.)
3. **श्री गोबिन कृष्णा बोराह बायन**
कलाकार
टीटाबार टाऊन, जोरहाट
(आसाम)
4. **श्री भोलाराम कालिता,** *म्युजिसियन*
महिमाबाड़ी, टीटाबार,
जोरहाट (आसाम)
5. **श्री तरून बोरा बोरबायन**
आर्टिस्ट–डांसर
टीटाबार टाऊन, जोरहाट (आसाम)
6. **श्री आनन्द चन्द्र सेकिया**
आर्टिस्ट
गयानगांव, जेंग्राई मुख
मजुली (आसाम)
7. **श्री सुरजीत चौधुरी**
म्युजिसियन
लचित नगर, उलुबाड़ी
गुवाहाटी (आसाम)
8. **श्री राजेश ओ.आर, आर्टिस्ट**
परपडी, कोट्टायम (केरल)
9. **श्री एडम शा. ए. आर्टिस्ट**
वेन्मनालील, त्रिवेन्ड्रम
(केरल)
10. **श्रीमती शीला वी., आर्टिस्ट**
मेमून्डा, कालीकट (केरल)

आर. एन. आई. नं. 40611/62
रजि. G-3/DL(N)/090/2018-2020

11. **श्रीमती श्यनी राकेश, आर्टिस्ट**
ईडथरा, पलक्कड (केरल)
12. **श्रीमती दिव्या सी.के., कलाकार**
पुथलाम, माहे (केरल)
13. **श्रीमती बापी राय,** *म्युजिक टीचर*
सिल्चर, कच्छार (आसाम)
14. **श्री मुकेश के.के., कलाकार**
कंडाक्काडावू, कोचीन (केरल)
15. **श्री सन्नी पी.ए., आर्टिस्ट**
अंगामली, एर्नाकुलम (केरल)
16. **श्रीमती पुष्पा राय**
नेपाली फिल्म एक्ट्रेस
ललितपुर (नेपाल)
17. **श्री थ्रिसूर श्रीनिवासन मास्टर**
कन्नारा, थ्रिसूर (केरल)
18. **सेक्रट्री, मक्कालक्कू–ड्रामा**
वडाकारा, वराधा
इरिंगल, कोझीवकोड (केरल)
19. **श्री राजकुमार सुन्डास (राजसागर)**
गायक व संगीतकार
डिब्रूगढ़ (आसाम)
20. **श्री रजूं भट्टाचार्यजी, कलाकार**
मिलनपुर, डिब्रूगढ़ (आसाम)
21. **श्रीमती मोरामी सैकिया, कलाकार**
दक्सीन चुबुरी, दर्रांग (आसाम)

महात्मा जोतिबा फुले नेशनल अवार्ड 2022

डा. सुरेन्द्र राम, एसोसियेट प्रोफेसर
एजुकेशन डिपार्टमेंट
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी (उ.प्र.)

सद्गुरू कबीर नेशनल अवार्ड 2022

प्रो. अनुराग कुमार
प्रोफेसर व पूर्व अध्यक्ष
हिन्दी व अन्य भारतीय भाषा विभाग
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
वाराणसी (उ.प्र.)

भगवान बुद्ध नेशनल अवार्ड 2022

1. **डा. इन्दु प्रकाश सिंह**
असिस्टेंट प्रोफेसर
फिलोसफी डिपार्टमेंट
महात्मा गांधी मार्ग, सिविल लाईन
प्रयागराज (उ.प्र.)
2. **डा. अरविन्द विक्रम सिंह**
प्रोफेसर व अध्यक्ष
फिलोसफी डिपार्टमेंट,
राजस्थान यूनिवर्सिटी,
जयपुर (राजस्थान)
3. **श्री मेकला भदैह यादव,**
चेयरमेन
मेंकला मरेक्मा इस्तीरी
फाऊन्डेशन, नालगोंडा
(तेलंगाना)
4. **डा. वन्दनी श्रीनिवासन राव**
प्रदेशाध्यक्ष–रेल्ली सेवा सम्क्षेमा
संगम, कोप्पावरम, ईस्ट गोदावरी
(आन्ध्र प्रदेश)
5. **श्री वेंकट राव**
मल्लिकार्जुन बुडी, गुलबर्गा
(कर्नाटक)

वीरांगना सावित्रीबाई फुले नेशनल अवार्ड 2022

डा. वी. श्यामला, सोशिल एक्टीविस्ट
पुलिस हेडकांस्टेबल,
सिन्धी कालोनी, बेलम्पेट
सिकन्दराबाद (तेलंगाना)

गुरू रवीन्द्रनाथ टैगोर नेशनल अवार्ड 2022

डा. आर. सी.पी. सिसोदिया
एक्स.–सी.एम.एच.ओ.आर.डी.
गर्डी मेडिकल कालेज, उज्जैन (म.प्र.)

श्री राकेश सोनी मेमोरियल गुरू घासीदास नेशनल अवार्ड 2022

प्रो. (डा.) पीताम्बर दास
सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर (फिलोसफी)
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
यूनिवर्सिटी, वाराणसी (उ.प्र.)

भारतरत्न लोह पुरुष सरदार वल्लभ-भाई पटेल राष्ट्रीय अवार्ड 2022

श्री प्रह्लाद भगवत बोन्डे
सोशिल वर्कर
निम्भोरा, ता.–रावेर, जलगांव (महाराष्ट्र)

त्यागमूर्ति माता रमाबाई अम्बेडकर नेशनल अवार्ड 2022

श्रीमती अनिता प्रेमचन्द मनूरे
सोशिल वर्कर
अनुप्रेम, माशेती पार्क, जलगांव
(महाराष्ट्र)

राजमाता जीजाबाई भोसले नेशनल अवार्ड 2022

डा. स्वाति दर्शरथ गायकवाड़
टेम्भूरनी, सोलापुर (महाराष्ट्र)

बाबू परमानन्द मेमोरियल नेशनल अवार्ड 2022

श्री रिखीराम, एडवोकेट
हांसी, जिला–हिसार (हरियाणा)

वीरांगना त्रिलोचन सुमनाक्षर मेमोरियल नेशनल अवार्ड 2022

डा. (श्रीमती) लालती देवी
प्रदेशाध्यक्ष–भारतीय दलित साहित्य
अकादमी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

बाबू जगजीवनराम समता नेशनल अवार्ड 2022

प्रो. (डा.) रमेश चन्द्रा,
पूर्व वायस चान्सलर,
बुन्देलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी (उ.प्र.)
डायरेक्टर – अम्बेडकर रिसर्च सेन्टर,
दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली

श्री गुरू रविदास नेशनल अवार्ड 2022

श्री जगदीश डुन्डप्पा बेटागेरी
स्टेट प्रेजीडेंट
कर्नाटक स्टेट श्री हरलय्या समामरा
(चमार) संघ
बंगलूरू (कर्नाटक)

अम्बेडकर इन्टरनेशनल ब्रदरहुड अवार्ड 2022

मा. बुद्धिमन परियार
पूर्व सदस्य–नेशनल दलित कमीशन
नेपाल

महर्षि वाल्मीकि नेशनल अवार्ड 2022

डा. लगूमाम्मपा
मूलर–तालुक, कोलार डिस्ट्रिक्ट
कर्नाटक

सम्मेलन में निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गये–

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को सरकारी महकमों में 22½ प्रतिशत आरक्षण तो है, पर उन्हें पदोन्नति में आरक्षण नहीं दिया जाता। यह सम्मेलन सरकार से मांग करता है कि उन्हें पदोन्नति में आरक्षण दिये जाने का प्रावधान संविधान में संशोधन करके करायें।

2. अभी तक न्यायपालिका यानि नीची अदालतों से सुप्रीम कोर्ट तक जजों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का आरक्षण कोटा लागू नहीं है। ऐसी स्थिति में दलितों का 'जज' बनने में भारी उपेक्षा बरती जाती है। न्यायपालिका में सवर्ण जजों का वर्चस्व होने के कारण दलितों को पूर्ण न्याय नहीं मिल पाता। अतः यह सम्मेलन में न्यायपालिका के सभी पदों पर दलितों के लिए संविधान प्रदत्त 'आरक्षण कोटा' का प्रावधान लागू किया जाये।

3. स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत सरकार अस्पृश्यता निवारण कार्यक्रम चलाये और छुआछूत, भेदभाव, ऊंचनीच, जात–पांत बरतने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करे।

4. अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति अत्याचार निरोधक कानून लागू करने में जो ढिलाई पुलिस थानों में बरती जाती है उस पर सख्ती से कार्रवाई की जाए ताकि दलितों पर अत्याचार रुक सकें।

5. आज शिक्षा, चिकित्सा और न्याय बहुत महंगा हो गया है। ऐसी हालत में दलित का समाज में समान स्तर पर लाना असम्भव है। अतः दलितों के उत्थान को ध्यान में रखकर सरकार उन्हें यह सब मुफ्त उपलब्ध कराये और इस विषय में तुरन्त कानून बनाये।

6. सरकारी व निजी क्षेत्रों में दिये जाने वाले ठेकों, नौकरियों, पेट्रोल पम्पों, गैस एजेन्सियों में दलितों का उनकी आबादी के अनुसार आरक्षण कोटा निर्धारित किया जाए और ये सब उन्हें सुगमता से उपलब्ध कराये जाएं।

7. सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की नौकरियों में आरक्षित कोटे को पूर्ण रूप से लागू करे। गत वर्षों के जो लाखों आरक्षित पद खाली पड़े हैं, उनको विशेष भर्ती अभियान के तहत भरती करके पूरा करे।

8. सरकार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग व पिछड़ा वर्ग आयोग को न्यायिक अधिकार देकर सशक्त बनाये ताकि दलित, शोषित, उत्पीड़ित लोगों को समय सीमा में न्याय मिल सके।

9. सरकार दलित मीडिया सेंटर स्थापन, समाचार पत्र व टी.वी. चैनल संचालित करने हेतु संचार लाइसेंस की विशेष सुविधा देकर दलित मीडिया कर्मियों व दलित साहित्यकारों को प्रोत्साहित करे।

10. सभी राज्यों में समता के प्रेरक बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर व बाबू जगजीवन राम के नाम पर विश्वविद्यालय खोले जाएं, जहां 80 फीसदी सीटें दलित छात्रों के लिए आरक्षित की जाएं।

11. सभी राज्यों के शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रमों में सन्त शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी, सद्गुरु कबीरदास जी व गुरु घासीदास जी की जीवनी को शामिल किया जाए।

12. देश में लाखों एकड़ खाली व बेकार पड़ी जमीन सरकार भूमिहीन दलित परिवारों में वितरित कराये।

13. भारत सरकार ने 1978 से पंचवर्षीय योजनाओं में 'कम्पोनेन्ट प्लान' के अन्तर्गत दलितों की आबादी के हिसाब से जो धनराशि आवंटित की थी, वह कभी भी उन पर पूरी तरह से खर्च नहीं की गई। अब तक जमा पड़ी वह धनराशि विशेष कार्यक्रम बनाकर दलितों के कल्याण व विकास पर खर्च की जाए।

14. सरकार दलित साहित्य को स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में लगवाये और सरकारी पुस्तकालयों व प्रतिष्ठानों के लिए दलित साहित्य की सीधी खरीद कर दलित साहित्यकारों को प्रोत्साहित करे।

15. देश की अन्य साहित्यिक व सांस्कृतिक अकादमियों की तरह सरकार भारतीय दलित साहित्य अकादमी को एक मुक्त राशि अनुदान के रूप में दे ताकि अकादमी अपनी विभिन्न योजनाओं को साकार रूप दे सके।

16. सरकार राज्यसभा में सदस्य, राज्यपाल, विदेश दूतावासों के पदों पर दलित साहित्यकारों को मनोनीत करे और प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस व पन्द्रह अगस्त के समारोहों में उन्हें 'मानद उपाधि' से सम्मानित करके अलंकृत करें।

17. भारतीय दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आगे से भारतीय दलित साहित्य के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। इस पद पर उनके कार्यकाल की अवधि दिसम्बर, 2025 तक होगी।

18. भारतीय दलित साहित्य अकादमी की सभी राज्य शाखायें प्रतिवर्ष 6 अक्तूबर को 'दलित साहित्य दिवस' समारोह का आयोजन करेंगी और इस अवसर पर दलित साहित्य के उत्थान के लिए कार्य कर दलित साहित्यकारों, लेखकों, कलाकारों, पत्रकारों को सम्मानित करके प्रोत्साहित करेगी।

19. भारतीय दलित साहित्य अकादमी को उसके राष्ट्रीय सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधियों के लिए रेल मंत्रालय रेलवे यात्रा टिकट पर 60 फीसदी कन्शेसन की सुविधा देती आई है। रेलवे घाटे के नाम पर 2012 के बाद से यह सुविधा रोक दी गई। रेल मंत्रालय रेलवे टिकट पर दी जाने वाली रेलवे कन्शेसन सुविधा को दुबारा चालू करें जिससे दलित–शोषित व वंचित समाज के साहित्यकार, कलाकार व समाज–सेवक अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले सकें और सरकारी योजनाओं में अपनी सेवायें दे सकें।

20. भारतीय दलित साहित्य अकादमी अपने राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिवर्ष साहित्यकारों, कलाकारों, पत्रकारों, इतिहासकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों को उनके सेवा कार्यों के लिए डा. अम्बेडकर पुरस्कार, डा. अम्बेडकर विशिष्ठ सेवा व डा. अम्बेडकर उत्कृष्ट सेवा अवार्ड, साहित्यश्री, कलाश्री व सेवाश्री अवार्ड व अम्बेडकर फेलोशिप राष्ट्रीय अवार्ड देकर राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें सम्मानित करती है जो अपने–अपने सेवा क्षेत्रों में और द्रूत गति से राष्ट्र सेवा कार्यों में अपना योगदान करते हैं। अकादमी केन्द्रीय व राज्य सरकारों से मांग करती है कि वे अकादमी के ऐसे नेशनल अवार्डियों को सरकारी नौकरी के चयन में और उनकी सरकारी नौकरी में पदोन्नति में प्राथमिकता प्रदान करें।

ये सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये। इस अवसर पर दलित साहित्यकारों ने आत्म सम्मान के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। डॉ. सुमनाक्षर ने पारित प्रस्तावों को उचित कार्रवाई के लिए सम्बन्धित विभागों को भेजने की घोषणा की।

इस द्विदिवसीय सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने मुख्य अतिथियों का धन्यवाद करते हुए निम्नलिखित अकादमी के पदाधिकारियों का सम्मेलन को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया–

प्रो. स्वामी आत्माराम, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, प्रो. जयपाल सिंह, प्रदेशाध्यक्ष उत्तराखंड, डा. राजूराम, प्रदेशाध्यक्ष झारखंड, जागाराम शास्त्री, प्रदेशाध्यक्ष बिहार, टी. बालाकृष्णन, प्रदेशाध्यक्ष केरल, जी. धनसेकर, प्रदेशाध्यक्ष आंध्र प्रदेश, डा. जितेन्द्र 'मनु', प्रदेशाध्यक्ष तेलगांना, डा. सी.पी. देसी, प्रदेशाध्यक्ष तमिलनाडु, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चेलवा राजू कर्नाटक, श्री जे.एम. जडेजा, प्रदेशाध्यक्ष गुजरात, निरतराम राखा, प्रदेशाध्यक्ष हिमाचल प्रदेश, श्रीमती सुदेश कुमारी, प्रदेशाध्यक्ष जम्मू कश्मीर, प्रो. संजय मोरे, प्रदेशाध्यक्ष महाराष्ट्र, श्री पी.सी. बैरवा, प्रदेशाध्यक्ष प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश, डा. लालती देवी, प्रदेशाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, डा. सुरेन्द्र सेलवाल, प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा, श्री तीरथ तोंगड़िया, प्रदेशाध्यक्ष पंजाब, डा. राजमल सिंह 'राज', प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली।

श्री मोनी मोहन विस्वास, प्रदेशाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, प. बंगाल, श्री दीपक रंजन बाग, प्रदेशाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, उड़ीसा, डा. महेन्द्र वर्मा, महामंत्री, भा.द.सा. अकादमी, तमिलनाडु, डा. सी. वेंकटेश, नेशनल आ. सेक्रेट्री, भा.द.सा. अकादमी, मा. सुभाष कानाडे, नेशनल कोरडिनेटर, भा.द.सा. अकादमी, श्री एच.एम. कुंदर्गी, प्रदेशाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, कर्नाटक, श्री तिलकराज लोचानिया, महामंत्री, भा.द.सा. अकादमी, हरियाणा, श्री रमेशचन्द्र चांगेसिया, संगठन मंत्री, भा.द.सा. अकादमी, मध्य प्रदेश, श्री के.सी. भंगंग, संगठन मंत्री, भा.द.सा. अकादमी, आसाम, श्री रिखीराम, एडवोकेट, संरक्षक, भा.द.सा. अकादमी, हरियाणा, श्री सुनील भीमराव बागुल, राष्ट्रीय मंत्री, भा.द.सा. अकादमी, मुम्बई (महाराष्ट्र), श्री बाबूलाल निर्मल, जिलाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, बारां (राजस्थान)

राष्ट्रगान 'जन गण' के साथ सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न हो गया। •

स्वामी, सम्पादक/ प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर द्वारा वन्दना आफसेट प्रिन्टर्स, A-9 सराय पीपलथला एक्सटेंशन, दिल्ली-33 में मुद्रित तथा रजि. कार्यालय : 233 टैगोर पार्क, माडल टाउन, दिल्ली-9 से प्रकाशित। ❑ सह सम्पादक - जय सुमनाक्षर, फोन : 27421449, मो. 9810278936 **Email-sumanakshar@ymail.com**

नोट : हिमायती में प्रकाशित रचनाओं के लिए सम्पादक की सहमति जरूरी नहीं। हिमायती से सम्बन्धित किसी भी कानूनी कार्रवाई का क्षेत्र दिल्ली न्यायालय तक ही सीमित है।

सम्पादकीय कार्यालय : बी 3/9, दूसरी मंजिल, माडल टाउन-1, दिल्ली-110009